

दिनांक: - १८/१०/२२ (३५)

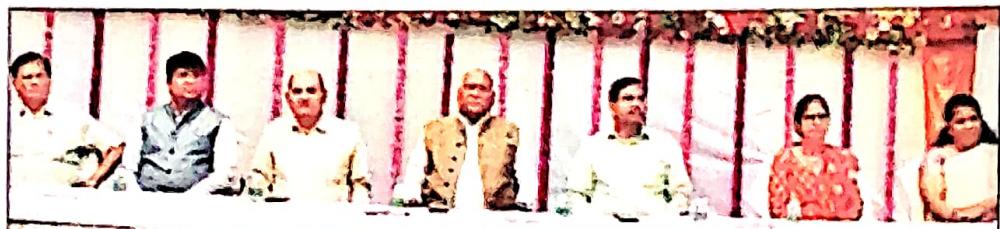
'चिकित्सा पद्धति में विश्वगुरु बनेगा आयुर्वेद'

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयुर्वेद व धन्वंतरि पर्व की शुरुआत

मर उजाला व्यूरा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधार्म वालापार के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में सातवें आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती का साप्ताहिक समारोह का शुभारंभ मोमबाग को हुआ। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके मिंह ने कहा कि दुनिया की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में विश्वगुरु बनने की क्षमता है।

कहा कि आयुर्वेद को चिकित्सा पद्धतियों का सिरमोर बनाने की मेंदारी आयुर्वेद को पढ़ाइ कर रहे छात्रों और इस विषय के वैद्यों



गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती के साप्ताहिक समारोह के शुभारंभ के दौरान मंच पर मौजूद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके मिंह य अन्य प्रतियाँ।

पर है। उन्होंने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए औपधीय द्रव्यों के संकलन पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय पीलीभीत के प्राचार्य प्रो. एसएस बेदार ने कहा कि 2022 से 2047 तक का समय आयुर्वेद का अमृत काल है।

महाराजा प्रताप शिक्षा परिषद के

अध्यक्ष उदय प्रताप मिंह ने कहा कि कोरोना संकट काल में पूरे विश्व ने आयुर्वेद को महत्ता को स्वीकार किया है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अनुल वाजपेयी ने को।

इस मौके पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ की प्रो. डॉ. शशि रामा,

दिग्गजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डीपी मिंह, गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डॉ. डोएम अजीधा, डॉ. मुनील मिंह, डॉ. गणेश पाटिल, डॉ. प्रज्ञा मिंह मौजूद रहे। संचालन शाखाओं शुक्ला और आशोप चौधरी ने किया।